Sr.No. 197401 **Your Roll No:.....**

M.A./ IV Sem.

Sanskrit Paper G - 401

आधुनिक संस्कृत रूपक

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

(Write your Roll No. On the top immediately on receipt of this question paper.**)**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए। 7+7 = 14
   Explain the following.

   (क) कार्ये कर्मणि निर्दिष्टे यो बहून्यपि साधयेत्।
   पूर्वकार्याविरोधेन स कार्यं कर्तुमर्हति।।

   अथवा / OR

   किं जन्मान्तरवासनेति वचनैः सौन्दर्यमेवंविधं
   कं वा न प्रथमेक्षणेऽपि जडमप्याकृष्य संमोहयेत्।
   तां भृत्यां सृजतः चिरान्मम दृशोस्तां गूहमानस्य वा
   दृष्टायामपि दुर्गमां विदधतो धिक् क्रौर्यमेतद्विधेः।।

   (ख) म्लायन्ति पुष्पाण्यपि गन्धवन्ति लोकप्रियः क्षीयत एव चन्द्रः।
   परस्परं प्रेमवतां न योगो धातुः पुरा कोऽपि न बुद्धिदोऽभूत्।।

   अथवा / OR

   एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
   अल्पस्य हेतोर्बहु मास्तु हानं जीवन् नरो भद्रशतानि पश्येत्।।

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिएः 7+7 = 14
   Explain the following:

   (क) बीजन्यासो विहितः सोपक्षेपं च बिन्दुभिः सिक्तः।
   विलसत्कथापताका फलिता नाट्यस्य कल्पलता।।

   अथवा / OR

   विद्यां चाविद्यां व यस्तद्वेदोभयं सह।
   अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते।।

   (ख) विद्याक्षुधा ज्ञानविवेकलाभो
   रूपक्षुधा बुद्धिविचारनाशः।
   सर्वा क्षुधः सन्ति विकारभूता
   अत्र क्षुधेका परमार्थसत्यम्।।

3. प्रत्येक खण्ड से दो टिप्पणियां लिखिए, जिनमें से **एक संस्कृत** में हो। 5+5+5+7 = 22
Write short notes on any **two** from each group, in which **one** should be in **Sanskri**t.

(क) (i) वी. राघवन् का संगीतबोध
(ii) अकबर की सभा के नवरत्न
(iii) अनार्कली का चरित्रचित्रण
(iv) अनार्कली में प्रतिबिम्बित भावनात्मक एकता

(ख) (i) तण्डुलप्रस्थीयम् के पात्रों और स्थानों के नामों का वैशिष्ट्य
(ii) तण्डुलप्रस्थीयम् में ग्राम्यजीवन
(iii) तण्डुलप्रस्थीयम् की नाट्यशास्त्रीय विधा
(iv) तण्डुलप्रस्थीयम् के आधार पर शिक्षाव्यवस्था और गुरुशिष्य सम्बन्ध

4. निम्नलिखित पर समीक्षात्मक निबन्ध लिखिए : 10+10 = 20
Write an analytical essay on the following :

(क) वी. राघवन का व्यक्तित्व व नाट्यसाहित्य में उनका अवदान।
Persona of V.Raghavan and his contribution to the field of drama.

अथवा / OR

अनार्कली के आधार पर मुगलकालीन सांस्कृतिक वातावरण।
Mughal cultural environmental on the basis of अनार्कली.

(ख) राधाबल्लभ त्रिपाठी का परिचय एवं तण्डुलप्रस्थीयम् के आधार पर उनका नाट्यकौशल।
Introduction of Radhavallabha Tripathi and his theatrical skill according to तण्डुलप्रस्थीयम्.

अथवा / OR

तण्डुलप्रस्थीयम् की नाटकीयविधा एवं उसमें नाट्यशास्त्रीय नवीन परिवर्तन।
Dramatic type of तण्डुलप्रस्थीयम् and new dramaturgical changes in it.